

प/ध/१४ आवषट पत्रावली कमीत वारी के ज-पत्र  
पत्रिका के ली गये कमीत वारी के अन्त  
ज-पत्र में उक्ति किया कि ज-पत्र के  
अधिकारी को सुरक्षित रखे हुए पत्र  
ठगलाना चाहता है अतः वारी का  
ज-पत्र वारी के ज-पत्र के अधीन  
मैजूदा वार के खाली किया जाता है  
पत्रावली के अन्त में मुम्बई के डी. व. ए. व. ए.  
के अन्त में पुनः भया

उपरोक्त पत्रों  
रायसिंहानर